प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पंतनगर में उत्साहपूर्वक मनी पंत जयंती

विधानसभा अध्यक्ष प्रेमचन्द अग्रवाल सम्मिलित हुए पंत जयंती समारोह में

पंतनगर। 10 सितम्बर 2018। पंडित गोविन्द बल्लभ पंत की 131वीं जयंती के अवसर पर पंतनगर विश्वविद्यालय के परिसर स्थित पंत पार्क में आज प्रातः पंडित पंत की प्रतिमा पर विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. ए.के. मिश्रा, तथा विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, कर्मचारी व विद्यार्थियों ने माल्यार्पण किया। इसके बाद बालनिलियम स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा रामधुन का गायन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रपति, श्री रामनाथ कोविन्द, से प्राप्त संदेश को अधिष्ठाता प्रौद्योगिकी, डा. एच.सी. शर्मा, तथा उपराष्ट्रपति, श्री एम. वेंकैया नायडू, का संदेश कुलसचिव, डा. ए.पी. शर्मा, द्वारा पढ़कर सुनाया गया। प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी, से प्राप्त संदेश को अधिष्ठाता, पशुचिकित्सा, डा. जी.के. सिंह, ने पढ़कर सुनाया तथा उत्तराखण्ड के राज्यपाल, डा. कृष्ण कांत पॉल, के संदेश को अधिष्ठाता कृषि, डा. जे. कुमार, ने पढ़ा। उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री, श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत, का संदेश अधिष्ठाता कृषि व्यवसाय प्रबंधन, डा. देवेन्द्र कुमार, ने तथा कृषि, उद्यान व रेशम मंत्री, श्री सुबोध उनियाल, का संदेश अधिष्ठाता मात्स्यिकी, डा. आई.जे. सिंह, ने पढ़ा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक, वैज्ञानिक, अध्यापक एवं परिसरवासी उपस्थित थे।

अपराहन में डा. रतन सिंह सभागार में आयोजित मुख्य समारोह में मुख्य अतिथि व उत्तराखण्ड विधानसभा के अध्यक्ष, श्री प्रेमचन्द अग्रवाल, ने कुलपति, प्रो. ए.के. मिश्रा, व अन्य अधिकारियों के साथ पं. गोविन्द बल्लभ पंत के छायाचित्र पर माल्यार्पण किया।

इस अवसर पर बोलते हुए श्री प्रेमचन्द अग्रवाल, ने पंडित गोविन्द बल्लभ पंत की 131वीं जयंती पर बधाई देते हुए उनको बड़ा राष्ट्र भक्त, ओजस्वी वक्ता, कुशल प्रशासक व उदार हृदय वाला बताया, जिन्होंने पहाड़ से निकलकर देश का नेतृत्व किया। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि पं. पंत का कृतित्व व व्यक्तित्व महान था और चीन के चाऊ एन लाई सरीखे नेता भी उनसे बात करने में डरते थे। उनके नाम पर देश में कई संस्थान स्थापित है, जिसमें से यह विश्वविद्यालय भी एक है। श्री अग्रवाल ने युवाओं को पं. पंत के पद चिन्हों पर चलकर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि देने को कहा।

स्थानीय विधायक एवं विश्वविद्यालय की प्रबंध परिषद के सदस्य, श्री राजेश शुक्ला, ने इस अवसर पर बोलते हुए तराई के विकास में उनके योगदान का वर्णन किया। युग दृष्टा बताते हुए श्री शुक्ला ने उत्तर प्रदेश में पं. पंत द्वारा जमींदारी एक्ट को सही प्रकार से लागू करने वाला बताया। पंतनगर विश्वविद्यालय को उन्होंने पंत जी की देन बताया।

दोनों अवसर पर सम्बोधित करते हुए कुलपति डा. मिश्रा ने कहा कि पंडित जी बड़ी विषम परिस्थितियों में आगे बढ़े। उन्होंने बताया कि पंत जी को शिक्षा प्राप्त करने के लिए अपने गांव से काफी दूर जाना पड़ता था। इसके बाद उन्होंने इलाहबाद से वकालत की उपाधि प्रात की तथा स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल होकर युवाओं को प्रोत्साहित किया। प. पंत उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री, सांसद एवं केन्द्र सरकार में गृह मंत्री भी रहे। भारत को स्वतंत्रता दिलाने तथा उसके बाद देश के विकास में पंत जी के योगदान का भी कुलपति ने जिक्र किया। कृषि के विकास हेतु पंतनगर विश्वविद्यालय की स्थापना में उनके अविस्मरणीय योगदान के बारे में भी उन्होंने बताया, जिसके कारण देश की कृषि व आर्थिकी को मजबूती मिली। प्रो. मिश्रा ने सभी का आह्वान किया कि पंडित पंत के सपनों को पूरा करने एवं विश्वविद्यालय को आगे ले जाने के लिए संकल्प लें।

पंत भवन के मुख्य अभिरक्षाक तथा अधिष्ठाता, पशुचिकित्सा एवं पशुपालन विज्ञान महाविद्यालय, डा. जी.के. सिंह, ने कार्यक्रम के प्रारम्भ में सभी का स्वागत करते हुए हिमालय पुत्र के नाम से प्रसिद्ध पंडित पंत के व्यक्तित्व के बारे में बताया तथा उन्हें महान राजनीतिज्ञ, कुशल प्रशासक, सफल राजनेता व आधुनिक भारत का वास्तुशिल्पी कहा। उन्होंने युवाओं को पं. पंत के गुणों से प्रेरणा प्राप्त करने के लिए कहा।

इस अवसर पर एक छात्र, ने पंडित पंत जी के जीवन तथा कार्यों के बारे में बताया। पशुचिकित्सा एवं पशुपालन विज्ञान महाविद्यालय तथा अन्य महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। पंत भवन छात्रावास द्वारा पंत जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं, यथा वाद-विवाद, निबन्ध, कविता, चित्रकारी, भारोत्तोलन, कैरम, शतरंज, टेबिल टेनिस आदि के विजेताओं को प्रो. ए.के. मिश्रा, के साथ मुख्य अभिरक्षाक व अन्य अतिथियों ने पुरस्कार प्रदान किये। कार्यक्रम के अंत में पंत भवन सोसायटी के महासचिव, ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन पशुचिकित्सा एवं पशुपालन विज्ञान महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा किया गया।

पंडित पंत की मूर्ति पर माल्यार्पण करते पंतनगर विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. ए.के. मिश्रा।

पंत जयंती के उपलक्ष्य में पंतनगर के रतन सिंह सभागार में आयोजित समारोह में संबोधित करते विधानसभा अध्यक्ष, श्री प्रेमचन्द अग्रवाल।

(नरेश कुमार)
समाचार समन्वयक